साप्ताहिक

बुलंद गोंदिया

खबरों का आईना

प्रधान संपादक : **अभिषेक चौहान** । संपादक : **नवीन अग्रवाल**

E-mail : **bulandgondia@gmail.com** | E-paper : **bulandgondia.net** | Office Contact No.: **7670079009** | R. No.: **MAH-HIN-10169**

वर्ष : 1 | अंक : 50 | गोंदिया : गुरुवार, 22 से 28 जुलाई 2021 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : रु. 5

वर्तमान नगराध्यक्ष का बोगस विकासनामा

● पूर्व नगराध्यक्ष कशिश जायसवाल का आरोप ● स्वयं के कार्यों का विकासनामा रखे जनता के सामने

गोंदिया – पूर्व नगराध्यक्ष कशिश जयसवाल द्वारा आयोजित पत्र परिषद में जानकारी देते हुए वर्तमान नगराध्यक्ष अशोक इंगले पर आरोप लगाया कि १४ जुलाई को प्रकाशित किये गये विकासनामे में जो कार्य दिखाये गये हैं, उसमे से ९० प्रतिशत काम उनके कार्यकाल में मंजूर होकर सभी की शासकीय मान्यता मिल चुकी थी। उन कार्यों को विकासनामे में प्रकाशित कर श्रेय की राजनीति वर्तमान नगराध्यक्ष अशोक इंगले द्वारा की जा रही है। यदि उन्हें विकासनामा जनता के सामने रखना है तो अपने साढ़े ४ साल के कार्यकाल में शासकीय मान्यता प्राप्त कामों का रखा जाना चाहिए। उपरोक्त विकासनामें में जो कार्य दिखाए गए हैं जिसमें मुख्य रुप से सिविल लाईन बोडी का सौंदर्यकरण जो उनके कार्यकाल में मंजूर होकर निधि भी मिल चुकी थी। इसके अलावा धोटे सूतिकागृह, मरारटोली स्कूल, मरारटोली समाज भवन व शहर के प्रमुख सिमेंटीकरण मार्गों का समावेश है। जिसमें नेहरु चौक से दुर्गा चौक, गांधी प्रतिमा से गोरेलाल चौक, गोरेलाल चौक से श्री टॉकीज चौक, गोरेलाल चौक से दुर्गा चौक के अलावा शहर के अन्य प्रमुख सीमेंट मार्गों का समावेश है। इसके साथ ही सिंधी स्कूल भवानी मंदिर से बाजपाई चौक तक का सीमेंटोकरण मार्ग का समावेश है। उपरोक्त कार्य के लिए उनके कार्यकाल ६ अगस्त २०१४ से ढ़ाई वर्षों के कार्यकाल में तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मांग कर वैशिष्ट पूर्ण योजना में कार्यों को शामिल किया गया था। जिसके लिए शासकीय मान्यता, बजट प्रावधान कार्यों को शुरु करने की सारी कार्रवाई पूर्ण हो चुकी थी, लेकिन उपरोक्त कार्य शुरु करने के लिए भूमि पूजन के समय ९० दिनों की आचार संहिता लग चुकी थी। जिसमें ४५ दिन विधान परिषद चुनाव व ४५ दिन नगर परिषद चुनाव के चलते कार्य शुरु नहीं हो पाए थे। आचार संहिता खत्म होते ही उपरोक्त कार्य शुरु हो चुके थे, जो उनके कार्यकाल के थे। लेकिन वर्तमान नगराध्यक्ष श्रेय लेकर उपरोक्त कामों को अपने कार्यकाल के कार्यों को बता कर शहर की

जनता को गुमराह कर अपनी वाहवाही लूटने का कार्य कर रहे हैं। जिससे जिम्मेदारी है कि उपरोक्त सच्चाई शहर की जनता के समक्ष लाया जाए। इसके साथ ही अन्य महत्वपूर्ण कार्य जो उनके कार्यकाल में मंजूर होने के साथ ही शासन द्वारा निधि भी जारी की गई थी, जिसमें गोविंदपुर स्कूल का जीर्णोद्धार जिसके लिए १ करोड ५० लाख रुपए, जयस्तंभ चौक के बस स्थानक का जीर्णोद्धार जिसके लिए ८० लाख रुपये तथा गड्ढाटोली बजाज हॉस्पिटल के पास स्थित नगर परिषद की भूमि पर खेल मैदान के निर्माण के लिए ५० लाख रुपए की निधि मंजूर है। किंतु इनमें कुछ तकनीकी कमियों के चलते कार्य पूरा नहीं हो पाया। तो वर्तमान नगराध्यक्ष द्वारा उपरोक्त कार्यों की मामूली तकनीकी खामियों को दूर कर उनका कार्य क्यों नहीं शुरु करवाया गया। इस पर प्रश्न चिन्ह निर्माण हो रहा है। सिर्फ मंजूर कार्यों को ही अपना बताकर स्वयं की मेहनत ना कर जनता से सीधे चुनकर आने वाले नगराध्यक्ष द्वारा शहर की जनता को गुमराह करने का कार्य कर रहे हैं। अब जब कुछ ही महीनों में चुनाव सामने आ चुके तो दूसरों के कार्यों को अपने कार्यकाल का कार्य बता कर फिर से चुनावी नाव को आगे बढ़ाने कर जीत हासिल करने का कार्य कर रहे हैं। लेकिन शहर की जनता काफी समझदार हैं, वह इस प्रकार के गुमराह करने वाले नेताओं को आगामी चुनाव में उनका स्थान जरुर दिखाएंगी। वर्तमान नगराध्यक्ष के साढ़े ४ साल के कार्यकाल में शासन द्वारा करोड़ों रुपए की निधि विभिन्न विकास कार्यों के लिए मंजूर की गई, लेकिन वह विकास कार्य शहर में कहीं भी दिखाई नहीं दे रहे वह कहां शुरु हुए? इसका जवाब नगराध्यक्ष द्वारा जनता को देकर उसका विकासनामा घोषित किया जाना चाहिए। जिससे उनके कार्यकाल के कार्य सामने आ सके लेकिन जब कुछ किया ही नहीं, तो पुराने कार्यों को जो कशिश जायसवाल के नगराध्यक्ष पद पर रहते हुए मंजूर कर सभी प्रकार की शासकीय मान्यता प्राप्त कर निधि प्राप्त की गई थी उनका ही श्रेय कब तक लेंगे।

गोंदिया के मोक्षधाम को गुजराती समाज द्वारा दिए गए बीड़ के ८ ढांचे

गोंदिया के एकमात्र मोक्षधाम की व्यवस्था सुचारु रुप से चलने के लिए गोंदिया के गुजराती समाज की ओर से शवदहन की लकड़ी जमाने के लिए लगने वाले बीड़ के ८ ढांचे गुजरात से मंगाकर सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति को दिये जायेंगे। जो १ महीने में आने वाले है।

इसकी जानकारी गुजराती समाज के चिराग पटेल द्वारा दी गई। सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति व पुरे गोंदिया के नागरिकों की ओर से चिराग पटेल व गुजराती समाज का अभिनंदन व इस बड़े कार्य को पुरे करने के लिए व आगे मोक्षधाम का कार्य सुचारु रुप से चलने के लिए सर्व समाज मोक्षधाम सेवा समिति आभार व्यक्त करती है।

गोंदिया नप सीमा विस्तारीकरण ६ ग्राम पंचायतों का विरोध

शामिल नहीं होने जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

गोंदिया नगर परिषद की सीमा विस्तारीकरण का प्रस्ताव नगर परिषद की आमसभा में पारित किया गया है। लेकिन इसमें शामिल होने वाली ६ ग्राम पंचायतों के नागरिकों सरपंचो व सदस्यों द्वारा विरोध कर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र के विस्तार वह भविष्य में महानगर पालिका के निर्माण को लेकर शहर की सीमा का विस्तारीकरण करने का प्रस्ताव नगर परिषद में मंजूर किया गया। जिसमें शहर की सीमा से लगे ग्राम कुड़वा, कटंगीकला, फूलचूर, फूलचूरटोला, नंगपुरा मुर्री तथा पिंडकेपार इन ६ ग्रामों को शामिल किया जाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। किंतु इन ६ ग्राम के नागरिकों सरपंचो व उपसरपंच द्वारा विरोध किया गया है। इस संदर्भ में उन्होंने जिलाधिकारी नयना गुंडे को एक ज्ञापन सौंपकर बिना उनकी मंजूरी वह ग्राम पंचायत के आम सभा का ना हरकत प्रमाणपत्र नहीं मिलने तक इस प्रस्ताव को मंजूरी ना देने की मांग की है। साथ ही बताया कि उपरोक्त ग्रामों की सीमा पर स्थित नगर परिषद के जो वार्ड है उनकी हालत काफी दयनीय है। उन क्षेत्रों की ना तो साफ सफाई हो पाती है नहीं मार्गों व लाईट की समुचित व्यवस्था है। वर्तमान में ग्राम पंचायत अपने क्षेत्रों के विकास करने में सक्षम है। साथ ही नप में प्रस्ताव पारित किए जाने के पूर्व उन ग्राम पंचायतों की मंजूरी ना लेते हुए एक तरफा निर्णय लिया गया है, जो कि उन्हें मान्य नहीं है। उपरोक्त प्रस्ताव के विरोध का ज्ञापन देते समय मिलन रामटेककर फुलचुर, कोमल धोटे फुलचुर टोला, सौ. शामदेवी युगलकिशोर ठाकरे कुड़वा, विनोद बिसने कटंगीकला, ओमप्रकाश रहांगडाले मुर्री, सुधीर चन्द्रिकापुरे पिंडकेपार साथ में राजेश चतुर, अखिलेश सेठ, शिवनारायण नागपूरे, युगलकिशोर ठाकरे, सुरेश डोंगरवार, दिनेश चित्रे उपस्थित थे।

नौकरी दिलाने के नाम पर नाबालिक युवती का अपहरण

अपहरण कर अन्य राज्यों में विवाह करवाने वाली टोली का खुलासा

गोंदिया – मध्यप्रदेश के मंडला जिले के ग्राम कासखेड़ा निवासी १६ वर्षीय नाबालिगा को नौकरी दिलाने के नाम पर अपहरण करने वाले तीन आरोपियों को गोंदिया पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश के ग्राम कासखेड़ा तहसील बिछिया जिला मण्डला निवासी फरियादी प्रकाश ज्ञानी यादव (२१) १२ जुलाई को १६ वर्षीय पीड़ित युवती के साथ रायपुर रेलवे स्टेशन पर बैठा हुआ था। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा उनके पास आकर काम दिलवाने के नाम पर गोंदिया रेलवे स्टेशन पर लाया तथा गोंदिया पहुंचने पर अज्ञात व्यक्ति द्वारा फोन कर एक अज्ञात महिला को रेलवे स्टेशन पर बुलाकर नाबालिका को उसके सुपुर्द करने के पश्चात फरियादी के साथ रुम की चाबी लेने के नाम पर कुड़वा नाका पहुंचा। जहां पर उसे चाबी लेकर आने की बात कहकर नदारद हो गया। काफी समय बीत जाने के पश्चात उसके ना आने पर १३ जुलाई इसकी शिकायत गोंदिया शहर पुलिस थाने में की गई पुलिस ने धारा ३६३, ३६६, ३६५, ३४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच सपोनी सपाटे को सौंपी गई।

नाबालिका के अपरहण जैसी गंभीर मामला सामने आने पर पुलिस अधीक्षक पानसरे द्वारा पीड़ित युवती व आरोपियों की तलाश करने का निर्देश शहर पुलिस निरीक्षक बनसोडे को दी। जिसके पश्चात २ पथक तैयार कर मिली गुप्त जानकारी आधार व तकनीकी मदद के आधार पर तीन आरोपियों को हिरासत में लिया। जिसमें ग्राम घोटी पुलिस स्टेशन खैरलांजी जिला बालाघाट निवासी छन्नूलाल गोधन नागपुरे (४२), ग्राम किन्ही पुलिस स्टेशन खैरलांजी निवासी कोमलप्रसाद चेतराम बागड़े (३४) एवं संजय नगर गोविंदपुर गोंदिया निवासी संगीता गोपाल यादव (३०) को गिरफ्तार कर उनके पास से अपरहण की गई नाबालिगा को बरामद किया। विशेष यह है कि उपरोक्त प्रकरण में आरोपियों का नाम पता वह किसी भी प्रकार की पहचानना होने के बावजूद तकनीकी कौशल की सहायता से आरोपियों की तलाश कर गिरफ्तार किया गया तथा अन्य राज्यों में लड़कियों की शादी करवाने वाली टोली का खुलासा किया गया।

विकासकार्य के नाम पर पेड़ तो काट दिए गए पर हटाये नही गए

मार्ग हो रहा अवरुद्ध

संवाददता आमगांव – आमगांव रेलवे स्टेशन से बाघ नदी पुल तक रास्ता चौड़ाईकरण का काम शुरु है। जिसका काम शिवालय कंस्ट्रक्शन कंपनी को ठेका दिया गया है। नाली और रोड़ चौड़ाईकरण का काम शुरु है। चौड़ाईकरण के नाम पर पिछले ६० से ७० सालों से लगे पीपल व नीम के पेड़ों को काटा गया। जो अभी तक यह पेड़ लोगो के दुकानों व घरों की पहचान थी और शहर को हर भरा महसूस कराते थे। आज यही सड़क बिना पेड़ों के वीरान नजर आती है। पेड़ों को काटकर उनके तनो को मार्ग पर ही छोड़ दिया गया है। जिसकी वजह से आने जाने वाले राहगीरों को समस्या निर्माण होती है और उसकी वजह से शहर में ट्रैफिक जाम होता है। जिससे दुर्घटना होने का डर बना हुआ रहता है।

एक और सरकार पेड़ो को लगाने और उन पेड़ो का संवर्धन कर्म की जिम्मेदारी लेती है। और दूसरी और कई दशकों से लगे पेड़ो को विकासकार्य के नाम पर काटा जाता है। शुद्ध हवा, ऑक्सिजन आज के समय की जरुरत है, जो हमे जीवन जीने में अहम रोल अदा करती है। वही ऑक्सीजन देने वाले पेड़ों को काट दिया गया। शहर के नागरिकों की मांग है कि मार्ग पर रखे पेड़ों के तनों को जल्द से जल्द हटाया जाए और मार्ग को सुचारु रुप से शुरु किया जाए। जिससे राहगीरों को समस्याओ का सामना न करना पड़े।

नाली के कामों की वजह से कई मार्ग बंद पड़े है। पिछले कई दिनों से जिसकी वजह से शहर की जनता को अगर कही जाने भी है तो सोचना पड़ता है कि कौनसा मार्ग शुरु है और कौनसा बंद है। एक दो बार तो शहर के अंदर के मार्ग में जाने वाले रास्तों पर पाइप डाल के नाली बना दी गई पर फिर उसको तोड़ा गया तथा फिर से उसको बनाया गए। जिसकी वजह से वहां से आने जाने वाले नागरिको को घुम कर शहर की मेन रोड पर आना पड़ता है।

डेढ़ वर्ष के अल्प कार्यकाल में विधायक अग्रवाल के सरहानीय विकास कार्य

आर्थिक बजट में मंजूर हुए २५ करोड़ १९ लाख के रोड-रास्तों के विविध कार्य

गोंदिया – जनता के विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यकाल को सिर्फ डेढ़ वर्ष ही हुआ है, पर उनके द्वारा विधानसभा क्षेत्र में किये जा रहे विकास कार्य अब हर किसी की जुबां पर है। एक साल कोविड संकट में जूझते हुए जहां मरीजों की मदद, सहायता व क्षेत्र को कोविड से मुक्त करने संकल्पित रहे, वहीं दूसरी ओर विधायक ने क्षेत्र के विकास हेतु प्रशासकीय स्तर से लेकर मंत्रालय तक दौड़-भाग, मेल-मुलाकात कर निधि खींच कर लाने का भी कार्य किया।

विधायक विनोद अग्रवाल के कार्यकाल में महत्वाकांक्षी शहरी भूमिगत विद्युत लाईन के लंबित कार्य को शुरु करवाने, लंबित भूमिगत अंडर ड्रेनेज लाईन के कार्य को शुरु करवाने, राज्य में सर्वाधिक आवास योजना का लाभ गोंदिया को दिलाने, वर्षों से लटके पड़े पांदन रास्तों का मार्ग प्रशस्त करने, करोड़ो रुपयों के पुल, रोड़-रास्तो के निर्माण, दुरुस्ती आदि के कार्य शुरु करने में अथक परिश्रमित रहे है।

विनोद अग्रवाल का संकल्प है कि शहरी क्षेत्र के साथ ही हर गांव सुजलाम-सुफलाम हो एवं प्रत्येक नागरिक को बुनियादी सुविधाएं प्राप्त होकर वो विकसित हो। इसी तर्ज पर वे हर गांव के विकास के साथ नागरिक की मूलभत व्यवस्था पर जोर देकर कार्य कर रहे है।

विनोद अग्रवाल ने अथक प्रयासो से गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के विविध विकास कार्य हेतु आर्थिक बजट २०२१ में २५ करोड़ १९ लाख रुपयों की लागत के कार्य मंजूर कराए है, जो जल्द ही प्रारंभ किये जायेंगे। इन कार्यो में छोटे पुलों का निर्माण, सड़क दुरुस्ती, सड़क चौड़ीकरण आदि काम है जो इस निधि अंतर्गत किये जाने है।

इन विकास कार्यों को मिली मंजूरी

- ५५ लाख रु. की लागत से मंजूर इर्री गांव में सड़क चौडाईकरण
- ५० लाख रु. की लागत से मंजूर कटंगी से बरबसपूरा गांव के बीच रास्ता दुरुस्ती
- ५० लाख रु. लागत से मंजूर धापेवाड़ा गांव के बीच रास्ता चौडाईकरण
- डेढ़ करोड़ रु. की लागत से मंजूर कामठा से छिपिया ग्राम के बीच रास्ता चौडाईकरण
- डेढ़ करोड़ रु. की लागत से मंजूर ग्राम कासा के समीप छोटे पुल का निर्माण
- डेढ़ करोड़ रु. लागत से मंजूर पिंडकेपार मंदिर के पास छोटे पुल का निर्माण
- ५० लाख रु. की लागत से मंजूर मुंडिपार ग्राम से नवीन पुल तक रास्ता दुरुस्ती
- ४ करोड़ रु. लागत से मंजूर अदासी से गुदमा ग्राम तक रास्ता चौडाईकरण
- डेढ़ करोड़ रु. लागत से मंजूर हिवरा ग्राम से तिरोडा रोड तक रास्ता चौडाईकरण
- ६० लाख रु. लागत से मंजूर काटी से तेड़वा के बीच रास्ता दुरुस्ती कार्य
- ५ करोड़ रु. की लागत से मंजूर तिरोडा सड़क मार्ग से चुटिया ग्राम तक सड़क चौडाईकरण
- ४ करोड़ रु. की लागत से मंजूर सोनपुरी से देवरी बीच रास्ता चौडाईकरण
- ३५ लाख रु. लागत से मंजूर वड़ेगाव पुलिया पहुंच मार्ग निर्माण
- १५६.४५ लाख रु. लागत से मंजूर दासगाव-बिरसी रोड पर छोटे पुल का निर्माण
- १६३.०८ लाख रु. लागत से मंजूर कोरणी-कारुटोला रास्ते पर छोटे पुल का निर्माण।

आवश्यकता है

गौशाला में गौ-सेवा के कार्य करने हेतु अनुभवी व्यक्ति की आवश्यकता है। रहने व खाने की व्यवस्था के साथ ही योग्यतानुसार वेतन दिया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें...

बुलंद गोंदिया कार्यालय
जगन्नाथ मंदिर के पास, गौशाला वार्ड, गोंदिया
मो. : 9405244668, 7670079009
समय : दोपहर 12 से संध्या 5 बजे तक

संपादकिय

जीवन लंबा हो, स्वस्थ भी

दिलचस्प ट्रेंड यह देखा गया है कि विभिन्न देशों में औसत आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ औसत आयु में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिख रही। यानी महिला और पुरुषों के बीच का अंतर समस्या का सिर्फ एक पहलू है। बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य का पहलू अलग से भी कम महत्वपूर्ण नहीं।

हाल ही में आई वर्ल्ड हेल्थ स्टैटिस्टिक्स रिपोर्ट २०२१ ने महिलाओं और पुरुषों की औसत आयु और उनके स्वास्थ्य से जुड़े कुछ पहलुओं पर नए सिरे से विचार की जरुरत बताई है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में महिलाओं की औसत आयु पुरुषों के मुकाबले अधिक है। वे अपेक्षाकृत ज्यादा लंबा जीवन जीती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि स्वास्थ्य के मामले में भी वे पुरुषों से बेहतर हैं। रिपोर्ट के मुताबिक अगर बात औसत स्वस्थ आयु की हो तो महिलाओं और पुरुषों के बीच का यह अंतर काफी कम हो जाता है। स्वस्थ औसत आयु के लिहाज से महिलाएं और पुरुष करीब-करीब एक जैसी ही स्थिति में हैं। यानी जीवन के आखिरी हिस्से में पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों का स्वास्थ्य ज्यादा कमजोर होता है। अपने देश में भी औसत आयु के मामले में पुरुषों से तीन साल आगे दिखती महिलाएं स्वस्थ औसत आयु का सवाल उठने पर पुरुषों के समकक्ष नजर आने लगती हैं। अगर जेंडर के सवाल को छोड़कर इस मसले को संपूर्णता में देखा जाए तो बात थोड़ी और साफ होती है।

वैश्विक औसत आयु ७३.३ वर्ष है तो स्वस्थ औसत आयु ६३.७ वर्ष। यानी दोनों के बीच करीब नौ साल का अंतर है। इसका साफ मतलब यह हुआ कि लोगों के जीवन के आखिरी दस साल तरह-तरह की बीमारियों के बीच गुजरते हैं। एक और दिलचस्प ट्रेंड यह देखा गया है कि विभिन्न देशों में औसत आयु तो बढ़ रही है, लेकिन स्वस्थ औसत आयु में वैसी बढ़ोतरी नहीं दिख रही। यानी महिला और पुरुषों के बीच का अंतर समस्या का सिर्फ एक पहलू है। बुजुर्ग आबादी के स्वास्थ्य का पहलू अलग से भी कम महत्वपूर्ण नहीं। अच्छी बात यह है कि दोनों में से कोई भी पहलू विशेषज्ञों की नजरों से अछूता नहीं है। परिवार में पितृसत्तात्मक सोच के प्रभाव में महिलाओं के स्वास्थ्य को ज्यादा तवज्जो नहीं मिलती। खाने-पीने के मामले में भी महिलाएं खुद को पीछे रखना उपयुक्त मानती हैं।

इसके अलावा आर्थिक आत्मनिर्भरता के अभाव में स्वास्थ्य सेवाओं तक महिलाओं की सीधी पहुंच अमूमन नहीं हो पाती। जैसे-जैसे महिलाओं की आत्मनिर्भरता बढ़ेगी, इस मोर्चे पर सुधार की उम्मीद की जा सकती है। लेकिन जहां तक वैश्विक स्तर पर औसत आयु और स्वस्थ औसत आयु में अंतर का सवाल है तो वहां मामला नीतियों और योजनाओं की दिशा का भी है। विभिन्न सरकारों का ही नहीं वैश्विक स्तर पर मेडिकल रिसर्चों के लिए होने वाली फंडिंग में भी जोर मौत के कारणों को समझने और दूर करने पर रहता है जिसका पॉजिटिव नतीजा औसत आयु में बढ़ोतरी के रुप में नजर आता है। अब जरुरत बुजुर्ग आबादी को होने वाली बीमारियों पर ध्यान केंद्रित करने की है ताकि उसे उन बीमारियों बचाने के उपाय समय रहते किए जा सकें। तभी हम अपने बुजुर्गों के लिए लंबा और साथ ही अच्छी सेहत से युक्त जीवन सुनिश्चित कर पाएंगे।

चिकित्सकों के दल का मोटर साइकिल से हजारों फीट ऊंचे पहाड़ों का सफल भ्रमण

गोंदिया के १७ चिकित्सकों का एक दल मोटर साइकिल से हिमाचल प्रदेश की खूबसूरत वादियों, बर्फीले पहाड़ों के बीच सड़कों पर करीब १५००० फीट से ज्यादा ऊंचाई का सफल भ्रमण कर गोंदिया वापस लौट आया है। उपरोक्त यात्रा २९ जून २०२१ से गोंदिया से कार एवं हवाई मार्ग से दिल्ली मनाली से प्रारंभ हुई थी तथा वह ८ जुलाई २०२१ को समाप्त हुई। मनाली तक करीब १२ सौ किलोमीटर की मोटर साइकिल यात्रा पथरीले रास्तों पर रोमांच भरी खतरनाक यात्रा रही। जिसमें एक ओर पहाड़िया वहीं दूसरी ओर गहरी खाईयां दिखाई दे रही थी। इस रोमांचकारी यात्रा के मुख्य संयोजक डॉ. विकास जैन के नेतृत्व में डॉ. नितिन कोतवाल, डॉ. ओ.पी. गुप्ता, डॉ. अमित जायसवाल, डॉ. संजय भगत, डॉ. सी.एस. राणा, डॉ. महेश भोयर, डॉ. रोशन कानतोड़े, डॉ. अंशुमन चौहान, डॉ.दुर्गाप्रसाद पटले, डॉ. संजय ज्ञानचंदानी, डॉ. अक्षत अग्रवाल, डॉ. पीयूष जायसवाल, डॉ. सुमित शर्मा, डॉ. जितेंद्र गुप्ता, डॉ. दीपक सोनाकिया, डॉ. परेश चौहान ने इस खतरनाक जोखिम भरे मार्गों पर मोटर साइकिल चलाई। इस दल को मनाली के अक्षय ठाकुर के मार्गदर्शन में एक मैकेनिक द्वारा भी विशेष सहयोग दिया गया। इस पूरे कारवां में दो पिकअप है, जिसमें मेडिकल सहायता व बाइक सुधारने की व्यवस्था थी। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ों की नैसर्गिक सुंदरता इस दल के सदस्यों को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रतिदिन एक नया उत्साह जोश और उमंग के साथ फिर से यात्रा शुरु की जाती थी। विशेष की कुछ स्थानों पर ऑक्सीजन की कमी का सामना करने के साथ ही रात के समय ठंड माइनस २ डिग्री तक पहुंच जाती थी। इस यात्रा के दौरान हिमाचल के व्यापारी, होटल वालों द्वारा जो अतिथि सत्कार किया गया, जिसमें मैगी, अंडा, राईस, पूरी-भाजी आदि से अपनी सुधा शांत कर यात्रा को निरंतर चलाए रखा।

मनाली से करीब १०० किमी, २३० किमी सांगला, १४० किमी नाको, १८० किमी कांजा, २० किमी पर कॉमिक जो की १५०५० फीट की हाइट पर दुनिया का सबसे ऊंचाई वाला सड़क युक्त ग्राम है। आगे २० किमी पर हिक्किम पहुंचे। जहां पर १४५६७ फीट की ऊंचाई पर विश्व का सबसे ऊंचाई पर पोस्ट ऑफिस स्थित है। वहां से २० किमी दूर लागझा पहुंचे, जो १४४३५ फीट पर विश्व की सबसे ऊंचाई पर बुद्ध प्रतिमा स्थापित है। वहां से १०० किमी चंद्रताल, १८० किमी जिसपा, १८० किमी अटल टनल, १० किमी रोहतिगपास होते हुए मनाली ९२ किमी जाकर यात्रा का समापन हुआ। साथ ही इस यात्रा में कुछ दिनों पूर्व प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उद्घाटित अटल टनल को भी बुलेट मोटर साइकिल चलाते हुए पार करना इन चिकित्सकों के दलों को आज भी रोमांचित कर रहा है।

साप्ताहिक राशिफल

मेष : आपकी शिकायत करने की आदत सही नहीं है। सावधान रहें। करियर संबंधित योजना बनाते हुए अनुभवी व जानकार लोगों से सलाह लेना हितकर रहेगा। अमीर बनने के लालच में चालू स्कीमों में पैसा लगाने से बचें।

वृषभ : काम से जुड़ा दबाव आप पर हावी नहीं होगा। किसी फाइनेंशियल एक्सपर्ट की सलाह पर ही निवेश करें। रुके हुए काम इस सप्ताह शुरु हो सकते हैं। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वालों को आसपास के लोगों की मदद मिल सकती है।

मिथुन : लंबे समय से मार्केटिंग फील्ड ज्वॉइन करने का सपना साकार होगा। छुट्टियों पर जाना खर्चे का काम हो सकता है। अपने अतिरिक्त धन का प्रयोग आप काम के विस्तार के लिए कर सकते हैं।

कर्क : कार्यक्षेत्र में दूसरों पर हावी होने के प्रयास आप पर ही भारी पड़ सकता हैं। अप्रत्याशित आय के स्रोत मिलने के कारण आर्थिक स्थिति में जबरदस्त सुधार होना मुमकिन है। सपनों के राजकुमार या राजकुमारी से मुलाकात होना संभव है। सेहत का ध्यान रखें।

सिंह : करियर की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी रह सकती है। शारीरिक स्वस्थता की मदद से आप हर प्रकार के मानसिक तनाव व दबाव को मात देने में सफल रहेंगे। बिजनेस से जुड़े आपके विचारों पर सफलतापूर्वक अमल करना मुमकिन होगा। यात्रा के सितारे बुलंद हैं।

कन्या : लंबी दूरी की यात्रा में सावधानी बरतनी होगी। घर-परिवार में क्लेश का माहौल बना रह सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिये उतावलापन दिखाने की जरुरत नहीं। सफलता जरुर मिलेगी। आराम के महत्व को भी समझें।

तुला : मामूली बातों में उलझने से बचेंगे तो जीवन का भरपूर आनंद उठा सकेंगे। निवेश को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरुरत है। नकली मुखौटा पहनने से बचें, खासकर अपनी जीवनसाथी के सामने।

वृश्चिक : आपकी सामाजिक छवि को धक्का पहुंच सकता है। गैरजरुरी सामान की खरीददारी कर सकते हैं। किसी गंभीर बीमारी की समय रहते जांच हो जाने पर इलाज समय पर शुरु हो जाएगा और मुसीबत की घड़ी टल जाएगी।

धनु : व्यवसाय से जुड़े कई सपने साकार होने वाले हैं। नई नौकरी, प्रमोशन या सैलेरी बढ़ने की संभावनाएं हैं। छात्र पॉजिटिव आउटलुक व एनर्जी से ओतप्रोत रहेंगे। गप्पबाजी व अफवाहों से दूर रहें।

मकर : यह सप्ताह मेहमान नवाजी में बीतने वाला है। सॉफ्टवेयर प्रोफेशनलों को अपने सपने साकार करने का मौका मिल सकता है। जो कमर दर्द या जोड़ों के दर्द से परेशान हैं, उन्हें हर्बल ट्रीटमेंट से राहत मिलेगी।

कुंभ : आपकी मेहनत रंग लाएगी। अनअपेक्षित क्षेत्र में भी भाग्य व मेहनत के साथ देने के कारण सफलता सुनिश्चित है। प्रेम संबंध में खुशियां बनी रहेंगी। यात्रा के दौरान परेशानी हो सकती है। गुस्से पर काबू करें।

मीन : आपकी आउट ऑफ द बॉक्स सोच आपको सफलता के रास्ते पर पहुंचाएगी। अनुभवी सहकर्मियों की मदद मिलेगी। सैलेरी भी बढ़ सकती है। लेखकों व पत्रकारों को अपने विचारों पर अमल करने में सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर सजग रहें।

जगन्नाथ पुरी : रथ यात्रा

पूर्व भारतीय उड़ीसा राज्य का पुरी क्षेत्र जिसे पुरुषोत्तम पुरी, शंख क्षेत्र, श्रीक्षेत्र के नाम से भी जाना जाता है, भगवान श्री जगन्नाथ जी की मुख्य लीला-भूमि है। उत्कल प्रदेश के प्रधान देवता श्री जगन्नाथ जी ही माने जाते हैं। यहां के वैष्णव धर्म की मान्यता है कि राधा और श्रीकृष्ण की युगल मूर्ति के प्रतीक स्वयं श्री जगन्नाथ जी हैं। इसी प्रतीक के रुप श्री जगन्नाथ से सम्पूर्ण जगत का उद्भव हुआ है। श्री जगन्नाथ जी पूर्ण परात्पर भगवान है और श्रीकृष्ण उनकी कला का एक रुप है। ऐसी मान्यता श्री चौतन्य महाप्रभु के शिष्य पंच सखाओं की है। पूर्ण परात्पर भगवान श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को जगन्नाथपुरी में आरम्भ होती है। यह रथयात्रा पुरी का प्रधान पर्व भी है। इसमें भाग लेने के लिए, इसके दर्शन लाभ के लिए हजारों, लाखों की संख्या में बाल, वृद्ध, युवा, नारी देश के सुदूर प्रांतों से आते हैं।

पर्यटन और धार्मिक महत्व

इस स्थान का धार्मिक महत्व जगन्नाथ का मंदिर है जिसे कबीर परमात्मा ने डूबने से बचाया था, समुद्र श्री कृष्ण से त्रेता युग का बदला (श्री राम ने समुद्र का अपने अग्निबाण से अपमान किया था) लेना चाहता था, परंतु परमात्मा कबीर जी ने काल को वचन दिया था कि पुरी में मंदिर को टूटने से बचाऊंगा, तभी से यह मंदिर आज तक विद्यमान है। यहां की मूर्ति, स्थापत्य कला और समुद्र का मनोरम किनारा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए पर्याप्त है। कोणार्क का अद्भुत सूर्य मन्दिर, भगवान बुद्ध की अनुपम मूर्तियों से सजा धौल-गिरि और उदय-गिरि की गुफाएं, जैन मुनियों की तपस्थली खंड-गिरि की गुफाएं, लिंग-राज, साक्षी गोपाल और भगवान जगन्नाथ के मन्दिर दर्शनीय है। पुरी और चन्द्रभागा का मनोरम समुद्री किनारा, चन्दन तालाब, जनकपुर और नन्दनकानन अभ्यारण् बड़ा ही मनोरम और दर्शनीय है। शास्त्रों और पुराणों में भी रथ-यात्रा की महत्व को स्वीकार किया गया है। स्कन्द पुराण में स्पष्ट कहा गया है कि रथ-यात्रा में जो व्यक्ति श्री जगन्नाथ जी के नाम का कीर्तन करता हुआ गुंडीचा नगर तक जाता है वह पुनर्जन्म से मुक्त हो जाता है। जो व्यक्ति श्री जगन्नाथ जी का दर्शन करते हुए, प्रणाम करते हुए मार्ग के धूल-कीचड़ आदि में लोट-लोट कर जाते हैं वे सीधे भगवान श्री विष्णु के उत्तम धाम को जाते हैं। जो व्यक्ति गुंडिचा मंडप में रथ पर विराजमान श्री कृष्ण, बलराम और सुभद्रा देवी के दर्शन दक्षिण दिशा को आते हुए करते हैं वे मोक्ष को प्राप्त होते हैं। रथयात्रा एक ऐसा पर्व है जिसमें भगवान जगन्नाथ चलकर जनता के बीच आते हैं और उनके सुख दुख में सहभागी होते हैं। सब मनिसा मोर परजा (सब मनुष्य मेरी प्रजा है)द्ध, ये उनके उद्गार है। भगवान जगन्नाथ तो पुरुषोत्म हैं। उनमें श्रीराम, श्रीकृष्ण, बुद्ध, महायान का शून्य और अद्वैत का ब्रम्ह समाहित है। उनके अनेक नाम है, वे पतित पावन हैं।

महाप्रसाद का गौरव

रथयात्रा में सबसे आगे ताल ध्वज पर श्री बलराम, उसके पीछे पद्म ध्वज रथ पर माता सुभद्रा व सुदर्शन चक्र और अन्त में गरुण ध्वज पर या नन्दीघोष नाम के रथ पर श्री जगन्नाथ जी सबसे पीछे चलते हैं। तालध्वज रथ ६५ फीट लंबा, ६५ फीट चौड़ा और ४५ फीट ऊंचा है। इसमें ७ फीट व्यास के १७ पहिये लगे हैं। बलभद्र जी का रथ तालध्वज और सुभद्रा जी का रथ को देवलन जगन्नाथ जी के रथ से कुछ छोटे हैं। सन्ध्या तक ये तीनों ही रथ मन्दिर में जा पहुंचते हैं। अगले दिन भगवान रथ से उतर कर मन्दिर में प्रवेश करते हैं और सात दिन वहीं रहते हैं। गुंडीचा मन्दिर में इन नौ दिनों में श्री जगन्नाथ जी के दर्शन को आड़प-दर्शन कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद माना जाता है जबकि अन्य तीर्थों के प्रसाद को सामान्यत: प्रसाद ही कहा जाता है। श्री जगन्नाथ जी के प्रसाद को महाप्रसाद का स्वरुप महाप्रभु बल्लभाचार्य जी के द्वारा मिला। कहते हैं कि महाप्रभु बल्लभाचार्य की निष्ठा की परीक्षा लेने के लिए उनके एकादशी व्रत के दिन पुरी पहुंचने पर मन्दिर में ही किसी ने प्रसाद दे दिया। महाप्रभु ने प्रसाद हाथ में लेकर स्तवन करते हुए दिन के बाद रात्रि भी बिता दी। अगले दिन द्वादशी को स्तवन की समाप्ति पर उस प्रसाद को ग्रहण किया और उस प्रसाद को महापसाद का गौरव प्राप्त हुआ। नारियल, लाई, गजामूंग और मालपुआ का प्रसाद विशेष रुप से इस दिन मिलता है।

जनकपुर मौसी का घर

जनकपुर में भगवान जगन्नाथ दसों अवतार का रुप धारण करते हैं। विभिन्न धर्मो और मतों के भक्तों को समान रुप से दर्शन देकर तृप्त करते हैं। इस समय उनका व्यवहार सामान्य मनुष्यों जैसा होता है। यह स्थान जगन्नाथ जी की मौसी का है। मौसी के घर अच्छे-अच्छे पकवान खाकर भगवान जगन्नाथ बीमार हो जाते हैं। तब यहां पथ्य का भोग लगाया जाता है जिससे भगवान शीघ्र ठीक हो जाते हैं। रथयात्रा के तीसरे दिन पंचमी को लक्ष्मी जी भगवान जगन्नाथ को ढूंढ़ते यहां आती हैं। तब द्वैतापति दरवाजा बंद कर देते हैं जिससे लक्ष्मी जी नाराज होकर रथ का पहिया तोड़ देती है और हेरा गोहिरी साही पुरी का एक मुहल्ला जहां लक्ष्मी जी का मन्दिर है, वहां लौट जाती हैं। बाद में भगवान जगन्नाथ लक्ष्मी जी को मनाने जाते हैं। उनसे क्षमा मांगकर और अनेक प्रकार के उपहार देकर उन्हें प्रसन्न करने की कोशिश करते हैं। इस आयोजन में एक ओर द्वैताधिपति भगवान जगन्नाथ की भूमिका में संवाद बोलते हैं तो दूसरी ओर देवदासी लक्ष्मी जी की भूमिका में संवाद करती है। लोगों की अपार भीड़ इस मान-मनौव्वल के संवाद को सुनकर खुशी से झूम उठती हैं। सारा आकाश जै श्री जगन्नाथ के नारों से गूंज उठता है। लक्ष्मी जी को भगवान जगन्नाथ के द्वारा मना लिए जाने को विजय का प्रतीक मानकर इस दिन को विजयादशमी और वापसी को बोहतड़ी गोंचा कहा जाता है। रथयात्रा में पारम्परिक सद्भाव, सांस्कृतिक एकता और धार्मिक सहिष्णुता का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है।

देवर्षि नारद को वरदान

श्री जगन्नाथ जी की रथयात्रा में भगवान श्री कृष्ण के साथ राधा या रुक्मिणी नहीं होतीं बल्कि बलराम और सुभद्रा होते हैं। उसकी कथा कुछ इस प्रकार प्रचलित है - द्वारिका में श्री कृष्ण रुक्मिणी आदि राज महिषियों के साथ शयन करते हुए एक रात निद्रा में अचानक राधे-राधे बोल पड़े। महारानियों को आश्चर्य हुआ। जागने पर श्रीकृष्ण ने अपना मनोभाव प्रकट नहीं होने दिया, लेकिन रुक्मिणी ने अन्य रानियों से वार्ता की कि, सुनते हैं वृन्दावन में राधा नाम की गोपकुमारी है जिसको प्रभु ने हम सबकी इतनी सेवा निष्ठा भक्ति के बाद भी नहीं भुलाया है। राधा की श्रीकृष्ण के साथ रहस्यात्मक रास लीलाओं के बारे में माता रोहिणी भली प्रकार जानती थीं। उनसे जानकारी प्राप्त करने के लिए सभी महारानियों ने अनुनय-विनय की। पहले तो माता रोहिणी ने टालना चाहा लेकिन महारानियों के हठ करने पर कहा, ठीक है। सुनो, सुभद्रा को पहले पहरे पर बिठा दो, कोई अंदर न आने पाए, भले ही बलराम या श्रीकृष्ण ही क्यों न हों।

माता रोहिणी के कथा शुरु करते ही श्री कृष्ण और बलरम अचानक अन्त:पुर की ओर आते दिखाई दिए। सुभद्रा ने उचित कारण बता कर द्वार पर ही रोक लिया। अन्त:पुर से श्रीकृष्ण और राधा की रासलीला की वार्ता श्रीकृष्ण और बलराम दोनो को ही सुनाई दी। उसको सुनने से श्रीकृष्ण और बलराम के अंग अंग में अद्भुत प्रेम रस का उद्भव होने लगा। साथ ही सुभद्रा भी भाव विह्वल होने लगीं। तीनों की ही ऐसी अवस्था हो गई कि पूरे ध्यान से देखने पर भी किसी के भी हाथ-पैर आदि स्पष्ट नहीं दिखते थे। सुदर्शन चक्र विगलित हो गया। उसने लंबा-सा आकार ग्रहण कर लिया। यह माता राधिका के महाभाव का गौरवपूर्ण दृश्य था।

अचानक नारद के आगमन से वे तीनों पूर्व वत हो गए। नारद ने ही श्री भगवान से प्रार्थना की कि हे भगवान आप चारों के जिस महाभाव में लीन मूर्तिस्थ रुप के मैंने दर्शन किए हैं, वह सामान्य जनों के दर्शन हेतु पृथ्वी पर सदैव सुशोभित रहे। महाप्रभु ने तथास्तु कह दिया।

रथ यात्रा का प्रारंभ

कहते हैं कि राजा इन्द्रद्युम्न, जो सपरिवार नीलांचल सागर (उड़ीसा) के पास रहते थे, को समुद्र में एक विशालकाय काष्ठ दिखा। राजा के उससे विष्णु मूर्ति का निर्माण कराने का निश्चय करते ही वृद्ध बढ़ई के रुप में विश्वकर्मा जी स्वयं प्रस्तुत हो गए। उन्होंने मूर्ति बनाने के लिए एक शर्त रखी कि मैं जिस घर में मूर्ति बनाऊंगा उसमें मूर्ति के पूर्णरुपेण बन जाने तक कोई न आए। राजा ने इसे मान लिया। आज जिस जगह पर श्रीजगन्नाथ जी का मन्दिर है उसी के पास एक घर के अंदर वे मूर्ति निर्माण में लग गए। राजा के परिवारजनों को यह ज्ञात न था कि वह वृद्ध बढ़ई कौन है। कई दिन तक घर का द्वार बंद रहने पर महारानी ने सोचा कि बिना खाए-पिये वह बढ़ई कैसे काम कर सकेगा। अब तक वह जीवित भी होगा या मर गया होगा। महारानी ने महाराजा को अपनी सहज शंका से अवगत करवाया। महाराजा के द्वार खुलवाने पर वह वृद्ध बढ़ई कहीं नहीं मिला लेकिन उसके द्वारा अर्द्धनिर्मित श्री जगन्नाथ, सुभद्रा तथा बलराम की काष्ठ मूर्तियां वहां पर मिली।

महाराजा और महारानी दुखी हो उठे। लेकिन उसी क्षण दोनों ने आकाशवाणी सुनी, **व्यर्थ दु:खी मत हो, हम इसी रुप में रहना चाहते हैं मूर्तियों को दृव्य आदि से पवित्र कर स्थापित करवा दो।** आज भी वे अपूर्ण और अस्पष्ट मूर्तियां पुरुषोत्तम पुरी की रथयात्रा और मन्दिर में सुशोभित व प्रतिष्ठित हैं। रथयात्रा माता सुभद्रा के द्वारिका भ्रमण की इच्छा पूर्ण करने के उद्देश्य से श्रीकृष्ण व बलराम ने अलग रथों में बैठकर करवाई थी। माता सुभद्रा की नगर भ्रमण की स्मृति में यह रथयात्रा पुरी में हर वर्ष होती है।

पृष्ठभूमि में स्थित दर्शन और इतिहास

कल्पना और किंवदंतियों में जगन्नाथ पुरी का इतिहास अनूठा है। आज भी रथयात्रा में जगन्नाथ जी को दशावतारों के रुप में पूजा जाता है, उनमें विष्णु, कृष्ण और वामन भी हैं और बुद्ध भी। अनेक कथाओं और विश्वासों और अनुमानों से यह सिद्ध होता है कि भगवान जगन्नाथ विभिन्न धर्मो, मतों और विश्वासों का अद्भुत समन्वय है। जगन्नाथ मन्दिर में पूजा पाठ, दैनिक आचार-व्यवहार, रीति-नीति और व्यवस्थाओं को शैव, वैष्णव, बौद्ध, जैन यहां तक तांत्रिकों ने भी प्रभावित किया है। भुवनेश्वर के भास्करेश्वर मन्दिर में अशोक स्तम्भ को शिव लिंग का रुप देने की कोशिश की गई है। इसी प्रकार भुवनेश्वर के ही मुक्तेश्वर और सिद्धेश्वर मन्दिर की दीवारों में शिव मूर्तियों के साथ राम, कृष्ण और अन्य देवताओं की मूर्तियां हैं। यहां जैन और बुद्ध की भी मूर्तियां हैं पुरी का जगन्नाथ मन्दिर तो धार्मिक सहिष्णुता और समन्वय का अद्भुत उदाहरण है। मन्दिर कि पीछे विमला देवी की मूर्ति है जहां पशुओं की बलि दी जाती है, वहीं मन्दिर की दीवारों में मिथुन मूर्तियां चौंकाने वाली है। यहां तांत्रिकों के प्रभाव के जीवंत साक्ष्य भी हैं। सांख्य दर्शन के अनुसार शरीर के २४ तत्वों के ऊपर आत्मा होती है। ये तत्व हैं- पंच महातत्व, पांच तंत्र माताएं, दस इन्द्रियां और मन के प्रतीक हैं। रथ का रुप श्रद्धा के रस से परिपूर्ण होता है। वह चलते समय शब्द करता है। उसमें धूप और अगरबत्ती की सुगंध होती है। इसे भक्तजनों का पवित्र स्पर्श प्राप्त होता है। रथ का निर्माण बुद्धि, चित्त और अहंकार से होती है। ऐसे रथ रुपी शरीर में आत्मा रुपी भगवान जगन्नाथ विराजमान होते हैं। इस प्रकार रथयात्रा शरीर और आत्मा के मेल की ओर संकेत करता है और आत्मदृष्टि बनाए रखने की प्रेरणा देती है। रथयात्रा के समय रथ का संचालन आत्मा युक्त शरीर करती है जो जीवन यात्रा का प्रतीक है। यद्यपि शरीर में आत्मा होती है तो भी वह स्वयं संचालित नहीं होती, बल्कि उस माया संचालित करती है। इसी प्रकार भगवान जगन्नाथ के विराजमान होने पर भी रथ स्वयं नहीं चलता बल्कि उसे खींचने के लिए लोक-शक्ति की आवश्यकता होती है।

सम्पूर्ण भारत में वर्षभर होने वाले प्रमुख पर्वों होली, दीपावली, दशहरा, रक्षा बंधन, ईद, क्रिसमस, वैशाखी की ही तरह पुरी का रथयात्रा का पर्व भी महत्वपूर्ण है। पुरी का प्रधान पर्व होते हुए भी यह रथयात्रा पर्व पूरे भारतवर्ष में लगभग सभी नगरों में श्रद्धा और प्रेम के साथ मनाया जाता है। जो लोग पुरी की रथयात्रा में नहीं सम्मिलित हो पाते वे अपने नगर की रथयात्रा में अवश्य शामिल होते हैं। रथयात्रा के इस महोत्सव में जो सांस्कृतिक और पौराणिक दृश्य उपस्थित होता है उसे प्राय: सभी देशवासी सौहार्द्र, भाई-चारे और एकता के परिप्रेक्ष्य में देखते हैं। जिस श्रद्धा और भक्ति से पुरी के मन्दिर में सभी लोग बैठकर एक साथ श्री जगन्नाथ जी का महाप्रसाद प्राप्त करते हैं उससे वसुधैव कुटुंबकम का महत्व स्वत: परिलक्षित होता है। उत्साहपूर्वक श्री जगन्नाथ जी का रथ खींचकर लोग अपने आपको धन्य समझते हैं। श्री जगन्नाथपुरी की यह रथयात्रा सांस्कृतिक एकता तथा सहज सौहार्द्र की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रुप में देखी जाती है।

पालतू मवेशियों का टीकाकरण समय पर करवाये - रेखलाल टेंभरे

गोंदिया – बारिश का मौसम शुरु होते ही पालतू मवेशियों को विभिन्न बीमारियां होने लगती है। जिसके चलते मवेशियों की देखभाल करना अत्यंत आवश्यक है। इसके लिए समय पर टीकाकरण कराने की आवाहन रेखलाल टेंभरे द्वारा किसानों से किया गया।

गौरतलब है कि बारिश का मौसम शुरु होते ही पालतू मवेशियों में अनेक बीमारियां आने लगती है। जिसमें घटसर्प, एकटांगिया, पेट फूलना आदि विभिन्न बीमारियों का समावेश है। जिसके लिए कटंगी प्रकल्प के मातामाई देवस्थान में रेखलाल टेंभरे के नेतृत्व में मवेशियों के टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि किसानों द्वारा पालतू मवेशियों का टीकाकरण समय पर करवाना अनिवार्य है जिससे उनकी सुरक्षा की जा सके। पालतू मवेशी किसानों की शेड की हड्डी है। आज भी अनेक किसान इन मवेशियों की सहायता से कृषि कार्य कर रहे हैं तथा अनेक किसान दूध व्यवसाय कर अपना परिवार चला रहे हैं। मवेशियों में बीमारी फैलने से उनकी मौत हो जाने पर किसानों को आर्थिक नुकसान होने के साथ ही उपचार में समय पैसा भी व्यर्थ होता है। जबकि आज सभी प्रकार के रोगों के टीके आ चुके हैं। इसलिए समय पर अपने पालतू मवेशियों का टीकाकरण किया जाए।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर पशु संवर्धन अधिकारी डॉ. मालापूरे, जयतवार पशुसंवर्धन विभाग व अन्य कर्मचारी, बेनीराम चौरागडे (ग्रा.स.), भोयरजी (ग्रा.स.), डिगु हरिणखेडे, ओंकार नेवारे, अंकुश बघेले, तानु हरिणखेडे, महेशसाव चौरागडे, कन्हैया भोयर, सोनु राहांगडाले, छोटु राहांगडाले उपस्थित थे। डॉ.पंजाबराव देशमुख कृषि विद्यापीठ अंतर्गत रामकृष्ण बजाज, कृषि महाविद्यालय पिंपरी वर्धा के एग्रिकल्चर विद्यार्थी नुपूर पुरुषोत्तम बोपचे, निधी कटरे, नेहा पटले, शिखर राहांगडाले, योग चौधरी, वर्षा बंसोड आदि विद्यार्थी उपस्थित थे।

क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील - सांसद प्रफुल पटेल

गोंदिया - तुमसर तहसील के ग्राम डोंगरी बुर्ज में शनिवार १७ जुलाई को राष्ट्रवादी कांग्रेस के कार्यकर्ता व पदाधिकारियों की आयोजित सभा में संबोधित करते हुए सांसद प्रफुल पटेल ने कहा कि वे क्षेत्र के विकास के लिए सदैव प्रयत्नशील है तथा अनेक विकास कार्य किए गए हैं। किंतु उन विकास कार्य की ओर ध्यान नहीं दिया जाता। गत कुछ दिनों से विकास के बड़े-बड़े काम रुके हुए हैं, जिन जनप्रतिनिधियों को चुन कर दिया गया है वह विकास की ओर ध्यान नहीं दे रहे। बावनथड़ी जैसे अनेक प्रकल्प उनके प्रयासों से पूर्ण हुए हैं तथा महाविकास आघाडी के माध्यम से शेष कार्यों को पूर्ण किया जाएगा तथा वे निरंतर किसानों के हितों का विचार करते हैं तथा बावनथड़ी प्रकल्प का पानी किसानों को मिलने लगा है। निरंतर २ वर्षों से किसानों को बोनस दिया जा रहा है। जो लोग किसानों की उपज को दुगना भाव देने का आश्वासन दिए थे। उनके द्वारा अब पेट्रोल-डीजल के दामों में काफी बढ़ोतरी किए जाने से किसानों की लागत दुगनी हो चुकी है। साथ ही रबी मौसम की धान खरीदी की समय सीमा बढ़ाई गई है तथा पक्ष सदा किसानों के साथ ही खड़ा है। इसके अलावा जिप पर्यवेक्षक व बूथ प्रमुख द्वारा प्रत्येक ग्रामों में सभा आयोजित कर प्रत्येक घरों तक राष्ट्रवादी कांग्रेस के कार्यों को पक्ष को पहुंचाने का प्रयास करने के साथ ही पक्ष के द्वारा किए गए कार्यों का प्रचार प्रसार कार्यकर्ताओं द्वारा किया जाना चाहिए। प्रत्येक बूथ पर कितने नागरिक हैं इसकी जानकारी लेकर उन्हें पक्ष के साथ जोड़ने का कार्य करें।

आयोजित सभा में सांसद प्रफुल पटेल के साथ पूर्व विधायक राजेन्द्र जैन, राजू कारेमोरे, नाना पंचबुद्धे, मधुकर कुकडे, धनंजय दलाल, विठ्ठल कहालकर, सरिता मदनकर, पमाताई ठाकूर, सरोज भुरे, मंजुषा बुरडे, कुशलता गजभिये, जयश्री गभने, मधुमती साखरवाडे, कविता साखरवाडे, विद्या कोकोडे, उमाताई साखरवाडे, शुभांगी रहांगडाले, साधना चौधरी, राजेश भट, चेतन मिरचूळे, तुळशीदास गौपाले, अनिल टेकाम, रामचंद करमकर, बिसराम धुर्वे, रोशन सावनवान, सुरेश रहांगडाले, घनश्याम नानोरे, महेश नंदेश्वर, कमलेश गुर्वेकर, युवराज वाघमारे, दिलेन्द्र चौधरी, कुलपत कटरे, सुरेश वहिले, सुरेश बर्वे, सुनीता वरकडे, शेखर टेकाम, हिम्मत उईके , चंपालाल भट, रामकिसन मसराम सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सांसद प्रफुल पटेल के नेतृत्व पर विश्वास कर राष्ट्रवादी काँग्रेस पार्टी में श्रीमती वंदना आकरे ने पक्ष प्रवेश किया। पटेल ने पुष्पगुच्छ व पक्ष का दुप्पटा देकर स्वागत किया।

प्रफुल पटेल के हस्ते पुलिस दल को ४६ नए वाहनों का लोकार्पण

जिले की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस दल को सक्षम बनाने का निरंतर प्रयास – प्रफुल पटेल

गोंदिया जिले के पुलिस विभाग के लिए जिला नियोजन समिति के माध्यम से खरीदे गए ४६ चौपहिया वाहनों का लोकार्पण रविवार १८ जुलाई को सांसद प्रफुल पटेल के हस्ते किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जिले की सुरक्षा व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त बनाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है। जिसमें पुलिस को समय-समय पर उपलब्ध आधुनिक संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे अपराधों पर लगाम लग सके।

गौरतलब है कि गोंदिया जिला पुलिस विभाग के लिए वाहनों की अत्यंत आवश्यकता होने पर वाहन खरीदी के लिए जिला नियोजन व विकास समिति से निधि उपलब्ध कराए जाने की मांग का पत्र व्यवहार पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के द्वारा किया था। जिस पर समिति के सदस्यों द्वारा उपरोक्त मांग को प्राथमिकता देते हुए गोंदिया जिले के पुलिस बल के लिए लगने वाले वाहनों के लिए सर्वसाधारण जिला वार्षिक योजना २०२०-२१ के अंतर्गत ३ करोड़ ६० लाख १३ हजार २२८ रुपए की निधि उपलब्ध करवाई गई। जिसके अंतर्गत खरीदे गए वाहनों में से ४० वाहन महिंद्रा बोलेरो ६ स्कॉर्पियो वाहन में से २१ वाहन प्रोजेक्ट डायल ११२ के लिए उपयोग किया जाएगा। डायल ११२ यह सेवा नागरिकों को तत्काल उपलब्ध कराए जाने तथा समयावधि कम करने व पुलिस सेवा को प्रभावी बनाने के साथ ही समय पर कार्यवाही की जा सकेंगी। जिसके लिए प्रत्येक पुलिस विभाग कार्यालय में इस हेल्पलाइन की सेवा शुरु होंगी तथा शेष २५ वाहन सुरक्षा, पुलिस बंदोबस्त कानून व्यवस्था तथा अपराधियों पर लगाम लगाने के साथ ही वरिष्ठ जनप्रतिनिधि वह मंत्रियों के दौरे के समय एस्कॉर्ट वाहन के रुप में उपयोग किया जाएगा।

आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर विधायक विनोद अग्रवाल, मनोहर चंद्रिकापुरे, सहसराम कोरोटी, अभिजीत वंजारी, पूर्व सांसद डॉ. खुशाल बोपचे, पूर्व विधायक राजेंद्र जैन, पूर्व जिप अध्यक्ष विजय शिवनकर, जिलाधिकारी नयना गुंडे, नियोजन समिति के सदस्य गंगाधर परशुरामकर, अमर वराडे, डॉ. नामदेव किरसान ,रमेश ताराम, मुकेश शिवहरे, सुनील लांजेवार, गोंदिया की उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते तथा मुख्याधिकारी करण चौहान उपस्थित थे।

सांसद प्रफुल पटेल के प्रयासों से तत्काल निधी मंजूर होने तथा तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख के विशेष सहयोग किए जाने एवं जिला नियोजन व विकास समिति के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होने पर पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे ने आभार व्यक्त किया।

९ दिनों पश्चात मौसी के घर से वापसी हुई जगन्नाथ स्वामी की

बहाड़ागुंचा पर्व पर श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

गोंदिया - भगवान महाप्रभु श्री जगन्नाथ स्वामी रथ यात्रा का पर्व प्रतिवर्ष मनाया जाता है। लेकिन इस वर्ष कोरोना संक्रमण के चलते हैं सादगी पूर्ण तरीके से मनाया गया। जिसमें १२ जुलाई को रथ यात्रा का आयोजन प्रभु जगन्नाथ मंदिर गौशाला वार्ड आयोजित होने के पश्चात ९ दिनों के बाद प्रभु जगन्नाथ अपनी मौसी के घर से वापस अपने स्थान पर पहुंचते हैं। इस अवसर को बहाड़ागुंचा महोत्सव के रुप में आषाढी एकादशी के दिन २० जुलाई को आयोजित किया गया था।

उपरोक्त कार्यक्रम के अवसर पर दिन भर शहर के प्रमुख गणमान्य नागरिकों व श्रालुओं द्वारा प्रभु के दर्शन किए गए। जिसमें नगराध्यक्ष अशोक इंगले, बांधकाम सभापति राजकुमार कुथे, पूर्व नगरध्यक्ष सविता ईसरका, विधायक विनोद अग्रवाल की धर्मपत्नी सविता अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिकों द्वारा दर्शन कर महाप्रभु का आशीर्वाद लिया।

उपरोक्त कार्यक्रम की सफलता के लिए महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी मंदिर सेवा संस्थान के अध्यक्ष इकलेश (राजा) नायक, उपाध्यक्ष दयाल कुमार, सचिव मुकेश नायक, राकेश कुमार, राजेश खांडेकर, जितेंद्र राणे, कुणाल दीप, निखिल नायक, विकास कुमार, अनुप दीप ,सोमनाथ सागर, उपेंद्र दीप, अमन कुमार तथा मार्गदर्शक मंडल के अखिल नायक, सूरज कुमार, कृपाल कुमार, सुखराम राणे, मेघनाथ कुमार, कालिया कुमार, जीत राणे तथा रॉकी नायक ने रथ यात्रा कार्यक्रम के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों को कोरोना संक्रमण के नियमों का पालन करते हुए आयोजित किया

जिलाधिकारी गुंडे का भाजपा महिला मोर्चा ने किया सत्कार

गोंदिया जिले की नवनियुक्त महिला जिलाधिकारी नयना गुंडे का भाजपा महिला मोर्चा द्वारा सत्कार किया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष भावना कदम, प्रदेश सदस्य सौ. रचना गहाणे, सौ. सिता रहांगडाले, सौ. सविता पूराम, जिल्हा महामंत्री सौ. प्रतिभा परीहार, शालीनी डोंगरे, सौ. माधूरी पाथोडे, सौ. तूमेश्वरी बघेले, सौ. सूनंदा उके, ग्रामिण अध्यक्ष सौ. माधूरी हरीणखेडे, न.प. सदस्य हेमलता पतेह व सौ. मौसमी सोनछात्रा उपस्थित थे।

स्टेडियम में खेलने के लिए खिलाड़ियों को मैदान और नालियों की करनी पड़ रही सफाई

गोंदिया शहर का एकमात्र इंदिरा गांधी स्टेडियम खिलाड़ियों के खेल के मैदान के लिए उपलब्ध है। लेकिन मैदान की स्थिति बारिश में बदहाल हो जाती है, जिससे यहां पर खेलने आने वाले खिलाड़ियों को मैदान और नाली की सफाई खुद ही करना पड़ रहा है।

उल्लेखनीय है कि शहर के एकमात्र मैदान स्टेडियम के मैदान में प्रेक्टिस कर खिलाड़ी नेटबॉल, फुटबॉल, हॉकी, कराटे, सेपक टकरा जैसे खेलों में राज्य स्तर व राष्ट्रीय स्तर पर खेलने के लिए जाते हैं। साथ ही पुलिस और सेना भर्ती के लिए जाने वाले युवक यहां पहुंच कर निरंतर अभ्यास करते हैं। लेकिन यहां पर खिलाड़ियों के लिए सुविधा का अभाव होने से उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। साथ ही इस इकलौते मैदान के स्टेडियम में ग्रीन जिम, लाइब्रेरी व इंडोर गेम की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग विशाल ठाकुर गेम्स स्पोर्ट्स एंड केरियर डेवलपमेंट फाउंडेशन के सचिव द्वारा नगर परिषद प्रशासन से की गई है।

बंगाल हिंसाचार रोकने हेतू निवेदन

गोंदिया – पश्चिम बंगाल मे विधानसभा चुनाव के पश्चात उत्पन्न हुई चिंताजनक स्थिति और हिंसाचार के विरोध मे महामहिम राष्ट्रपति द्वारा त्वरित कार्यवाही हेतू जिल्हाधिकारी गोंदिया को ज्ञापन सौपा गया।

पश्चिम बंगाल मे मानवाधिकार की रक्षा हो एवं दोषियों पर कडी से कडी कार्यवाही हो, इस लिए केंद्र सरकार त्वरित हस्तक्षेप करे, यह निवेदन किया गया। इस ज्ञापन पर गोंदिया जिल्हे के विविध संघटनों के प्रमुख, धार्मिक ट्रस्ट प्रमुख, विविध समाज के प्रमुख, व्यापारी, उद्योजक, समाज सेवक तथा जन प्रतिनिधियों के करीब २०० से ज्यादा हस्ताक्षर है।

गोंदिया जिल्हे की नवनियुक्त जिल्हाधिकारी नयना गुंडे इनसे मुलाकात कर इस अमानवीय अत्याचार की जानकारी देकर समाज की भावनाये अवगत कराई गयी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संघ संचालक लीलाराम बोपचे, विभाग कार्यवाह उमेश मेंढे, संपर्क प्रमुख दलजीतसिंह खालसा, भाजपा शहर अध्यक्ष सुनील केलनका ने जिल्हाधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

ओबीसी महिला जिला अध्यक्ष पद पर दिव्या भगत-पारधी

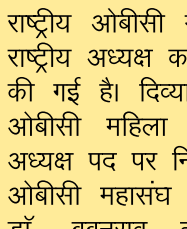

गोंदिया शहर की युवा सामाजिक कार्यकर्ता दिव्या भगत पारधी की नियुक्ति राष्ट्रीय ओबीसी महिला महासंघ के जिला अध्यक्ष के पद पर राष्ट्रीय ओबीसी महिला महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कल्पना मानकर द्वारा की गई है। दिव्या भगत पारधी की ओबीसी महिला समिति के जिला अध्यक्ष पद पर नियुक्ति होने राष्ट्रीय ओबीसी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. बबनराव तायवाडे, राजकीय समन्वयक डॉ. खुशालचंद बोपचे, महासचिव सचिन राजूरकर, समन्वयक डॉ. अशोक जीवतोड़े व अन्य पदाधिकारियों द्वारा उनका अभिनंदन कर उनके आगामी कार्यकाल के लिए शुभकामना दी है। वर्तमान समय में राज्य में ओबीसी का राजकीय आरक्षण खत्म होने व ओबीसी समाज की मांगों को पुरजोर तरीके से शासन के समक्ष रखने की चुनौती उन्हें मिली है। जिसमें सफल होने की शुभकामना मित्रों व शुभचिंतकों द्वारा दी गई।

दिव्यांग माता-पिता की बेटी को ऑनलाइन पढ़ाई हेतु दिया मोबाईल

गोंदिया विधानसभा क्षेत्र के बटाना ग्राम के निवासी महेशकुमार दादूजी बंसोड़ अपनी दोंनो आंखों से अन्धत्व के शिकार है। वहीं उनकी पत्नी भी एक हाथ और पैर से दिव्यांग है। दिव्यांगता के चलते परिवार में आय के साधन नहीं होने से परिवार आर्थिक संकट से गुजर रहा है। इस अवस्था में उनकी बेटी को कक्षा १० वीं में ऑनलाइन शिक्षा में काफी समस्या से जूझना पड़ा। आगामी कक्षा ११ वी में भी ऑनलाइन शिक्षा की समस्या संकट के रुप में खड़ी है। इस अवस्था में छात्रा की शिक्षा समस्या व परिवार की स्थिति को देख बच्ची के शैक्षणिक भविष्य को देख विधायक विनोद अग्रवाल ने एक मदद के रुप में मोबाईल फोन भेंट कर छात्रा को उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना कर आशिर्वाद प्रदान किया।

संक्षिप्त समाचार

विद्युत करंट लगकर मौत

डुग्गीपार पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम डव्वा निवासी कार्तिक दौनलाल चौधरी (२०) की विद्युत करंट लगकर मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतक इलेक्ट्रिक वायर व मोटर दुरुस्ती का कार्य करता था। इसी दौरान १६ जुलाई को कार्य करते समय विद्युत करंट लग जाने से उसकी मौत हो गई। उपरोक्त प्रकरण में फरियादी संतोष दौनलाल चौधरी की मौखिक शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोहवा धावडे द्वारा की जा रही है।

जहर गटक कर की आत्महत्या

सालेकसा पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम पिपरिया निवासी महेश परसराम नागपुरे (५५) द्वारा विषैला पदार्थ १२ जुलाई को गटक लिया था। जिसकी स्थिति चिंताजनक होने पर उसे उपचार के लिए गोंदिया के शासकीय जिला चिकित्सालय में दाखिल कराया गया। जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। उपरोक्त प्रकरण में चिकित्सा अहवाल आधार पर सालेकसा पुलिस थाने में आकस्मिक मौत धारा १७४ के तहत मामला दर्ज कर आगे की जांच पोना कटरे द्वारा की जा रही है।

गैस सिलेंडर विस्फोट, ६ जख्मी

संतोष रोकड़े – अर्जुनी मोरगांव तहसील के अंतर्गत आनेवाले ग्राम ताड़गांव निवासी निता वासुदेव पंधरे के निवास स्थान पर १५ जुलाई की रात ८.०० बजे के दौरान रसोई गैस लीकेज हो जाने से आग लग गई। जिसमें ६ लोग गंभीर रुप से जख्मी हो गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार रात ८.०० बजे के दौरान पूरे परिवार का भोजन हो चुका था। लेकिन कुछ गर्म करने के लिए गैस जलाई गई लेकिन गैस लीकेज हो जाने से पूरे कक्ष में गैस फैल चुकी थी। जिसके चलते तत्काल आग पकड़ ली। इस घटना में सुनीताराम वासुदेव पंधरे, भागरता वासुदेव पंधरे, प्रकाश वासुदेव पंधरे, रसिका पंधरे व पड़ोसी कवरु महागु बनारसी यह गंभीर रुप से जख्मी हो गए। जिन्हें उपचार के लिए तत्काल अर्जुनी मोरगांव के ग्रामीण चिकित्सालय में ले जाया गया। लेकिन स्थिति चिंताजनक होने से उन्हें आगे के उपचार के लिए भंडारा के शासकीय जिला चिकित्सालय में रवाना किया गया। उपरोक्त मामले में अर्जुनी मोरगांव पुलिस द्वारा मामला दर्ज कर जांच शुरु की है।

गोरेगांव जंगल परिसर में शेर के हमले से ग्रामीण की मौत

ग्रामीणों में आक्रोश

गोंदिया जिले के गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले गोरेगांव वन क्षेत्र के भडंगा से रेलवे स्टेशन पिडकेपार जंगल परिसर में बुधवार २१ जुलाई की दोपहर २.०० बजे के दौरान भडंगा निवासी पूना मोहन मेश्राम (६०) की शेर के हमले में मौत हो गई।

गौरतलब है कि गोरेगांव तहसील के अंतर्गत आने वाले भडंगा से पिडंकेपार जंगल परिसर क्षेत्र में गत कई दिनों से शेर के विचरन की जानकारी सामने आ रही थी। उपरोक्त क्षेत्र संरक्षित वन क्षेत्र की सीमा लगा हुआ है। बुधवार २१ जुलाई की दोपहर के दौरान ग्राम के समीप स्थित जंगल में भड़ंगा निवासी पुना मोहन मेश्राम अपनी बकरियों के लिए चारा लाने गया हुआ था। इसी दौरान शेर द्वारा उस पर हमला किया गया। हमले के दौरान शेर की तेज दहाड़ सुनकर परिसर के ग्रामीण जंगल की ओर दौड़ पड़े। तब तक पुना मेश्राम की मौत हो चुकी थी।

विशेष यह है कि परिसर में गत कुछ दिनों से शेर के होने की जानकारी नागरिकों द्वारा वन विभाग को दी गई थी। लेकिन किसी भी प्रकार की सुरक्षा न किए जाने के चलते इस प्रकार की घटना घटित होने से ग्रामीणों में आक्रोश निर्माण हो गया। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि शेर को जल्द से जल्द कैद किया जाए। जिससे भविष्य में और किसी भी प्रकार की जनहानि ना हो। यदि आगे इस प्रकार की जनहानि होती है तो इसका जिम्मेदार वन विभाग होंगा।

मुआवजे की मांग

शेर के हमले में मृत पुना मेश्राम अपनी पत्नी के साथ रहता था। लेकिन अब उसकी मौत हो जाने पर उसके परिवार पर संकट निर्माण हो गया है। जिसके चलते उसके परिवार को वन विभाग द्वारा तत्काल मुआवजा दिए जाने की मांग नागरिकों द्वारा की गई है।

वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे घटनास्थल पर

घटना की जानकारी प्राप्त होते ही गोरेगांव वन विभाग के अधिकारियों व गोंदिया जिले के वन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचकर मृतक के शव का पंचनामा कर शव विच्छेदन के लिए भेजा तथा मामले की जांच शुरु की गई है।

ग्रामीणों में भय का निर्माण

गोरेगांव संरक्षित वन क्षेत्रों से लगे ग्रामों में गत अनेक दिनों से शेर के भ्रमण की जानकारी सामने आ रही थी। लेकिन आज ग्राम से लगे वन क्षेत्र में एक ग्रामीण की शेर के हमले में मौत हो जाने से परिसर में भय का वातावरण निर्माण हो गया है।

ढासगढ़ जंगल में अज्ञात युवती की हत्या के मामले में तीन हत्यारे पुलिस की हिरासत में

गोंदिया – चिचगढ़ पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ढासगढ़ जंगल में २३ जून की सुबह १०.३० बजे के दौरान एक अज्ञात व्यक्ति की हत्या का मामला सामने आया था। जिसकी धारदार हथियार से हत्या कर जंगल परिसर में फेंका गया था। उपरोक्त मामले में चिचगढ़ पुलिस थाने में हत्या का मामला दर्ज कर मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे के दिशा निर्देश अनुसार मामले की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी देवरी जालिधर नालकुल को सौंपी गई। जिसके पश्चात अज्ञात मृतक की पहचान करने के लिए सोशल मीडिया व समाचार पत्रों में प्रकाशित की गई। किंतु इसमें सफलता नहीं मिलने पर चार पथक तैयार कर पुलिस थाने की सीमा से लगे जिले व छत्तीसगढ, मध्यप्रदेश में तलाश शुरु की गई। लेकिन किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं मिल पाई। इसी दौरान १८ जुलाई को अज्ञात मृतक के संदर्भ में विश्वसनीय सूत्रों से प्राप्त जानकारी व तकनीकी सहायता की मदद से जिला भंडारा, बुटीबोरी, दुधा सायकी जिला नागपुर के इन ग्रामों में जांच किए जाने पर मिली जानकारी के अनुसार आरोपी क्रमांक १ समीर असलम शेख (२६) निवासी बावला नगर बुटीबोरी जिला नागपुर, आरोपी क्रमांक २ आसिफ शेरखान पठान (३५) निवासी बाबा मस्तान शाह वार्ड भंडारा वह प्रफुल पांडुरंग सोनकर (२५) निवासी दुधा (मांगली) जिला नागपुर को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने पर जानकारी प्राप्त हुई कि समीर शेख का मृतक युवती से २ वर्षों से प्रेम संबंध था तथा उसे पत्नी के रुप में स्वीकार कर जुलाई २०२० से किराए के मकान में बुटीबोरी में रह रहा था। किंतु फरवरी २०२१ में आरोपी क्रमांक १ के माता-पिता द्वारा उसका विवाह दूसरी जगह तय कर साक्षगंध कर दिया था। इस दौरान आरोपी के घर में जानकारी मिलेगी युवक का मृतक युवती से प्रेम संबंध है तथा वह अपंग है। साथ ही मृतक को भी इसकी जानकारी होने पर वह आरोपी से विवाह करने की जिद करने लगी। जिस पर आरोपी द्वारा उसकी हत्या करने का निश्चय कर अपने अन्य दो सहयोगियों के साथ संपर्क कर उसे चिचगढ़ परिसर के ढासगढ़ जंगल में मोटरसाइकिल से ले जाकर तीनों आरोपियों द्वारा मिलकर लोहे के धारदार हथियार से २२ जून की शाम हत्या कर मार्ग पर फेंके जाने की बात स्वीकार की। जिसके पश्चात तीनों आरोपियों को १९ जुलाई को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। जहां उन्हें २३ जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेजा गया तथा आगे की जांच उपविभागीय पोलीस अधिकारी देवरी द्वारा की जा रही है।

फसल बुवाई के लिए किसानों को मिलेगा जलाशय का पानी विधायक विजय रहांगडाले

गोंदिया जिले में जुलाई माह आधा बीत जाने के बावजूद मौसम के साथ ना देने तथा बारिश नहीं होने के चलते धान उत्पादक किसानों को फसल की बुवाई के लिए लगने वाला बारिश का पानी नहीं आने के चलते वे परेशानियों में आ चुके हैं। किसानो की परेशानियों को देखते हुए तिरोड़ा के विधायक विजय रहांगडाले द्वारा चोरखमारा, बोदलकसा, खरबंदा जलाशय के लाभ क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले किसानों को फसल की बुवाई के लिए पानी की समस्या को दूर कर सोमवार १९ जुलाई से पानी देने के लिये पाटबंधारे विभाग को निर्देश दिया था। विधायक महोदय के निर्देशानुसार संबंधित विभाग द्वारा चोरखमारा, बोदलकसा वह खरबंदा जलाशय का पानी छोड़ा जाएगा। उपरोक्त जलाशय के द्वारा अंदाजन ३०,००० किसानों की बुवाई हो सकेंगे, जिससे उनकी परेशानियां दूर होंगी। इस प्रकार की जानकारी विधायक रहांगडाले द्वारा दी गई है।

नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हजारों प्रॉपर्टी आएगी टेक्स के दायरे में

औरंगाबाद पैटर्न पर लगेगा ऑन द स्पॉट टेक्स

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत अब भी हजारों संपत्ति टेक्स के दायरे में नहीं आयी है। जिसके लिए नगर परिषद द्वारा विशेष अभियान चलाते हुए औरंगाबाद पैटर्न पर ऑन द स्पॉट टैक्स लगाया जाएगा। जिसमें करीब नई १० हजार संपत्तियां टेक्स के दायरे में आ जाएंगी।

गौरतलब है कि गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत अभी करीब १० हजार संपत्तियां जिसमें नए मकान, प्लाट, व्यवसायिक प्रतिष्ठान, बैंक, एटीएम, मोबाइल टावर का समावेश है। जो टेक्स के दायरे में अब तक नहीं आयी है। जिससे नगर परिषद की संपत्ति कर की आवक में बढ़ोतरी नहीं हो पा रही है। जिसके चलते अब नगर परिषद प्रशासन द्वारा विशेष अभियान शुरु किया गया है। जिसमें औरंगाबाद पैटर्न के आधार पर नगर परिषद द्वारा सर्वेक्षण कर ऑन द स्पॉट संपत्ति का मूल्यांकन, नाप-जोक, व्यवसायिक प्रतिष्ठान आदि की स्थिति को देखते हुए टेक्स लगाया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत वर्ष २००३ से संपत्तियों टेक्स सर्वेक्षण नहीं हुआ है, जिससे आज भी हजारों संपत्तियों पर नगर परिषद का टेक्स नहीं लग पाया है।

१० हजार संपत्तियां टेक्स के दायरे में

गोंदिया नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत २० वर्षों से संपत्तियों का सर्वेक्षण ना होने तथा नए मकानों, प्लाटों व कच्चे से पक्के मकान निर्माण हो जाने पर उनका नए सिरे से टेक्स एसेसमेंट नहीं किया गया है। जिसके लिए अब विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें अंदाजजन १० हजार संपत्ति टेक्स के दायरे में आ जाएंगी। जिससे नगर परिषद को प्रतिवर्ष मिलने वाले टेक्स में करीब डेढ़ से २ करोड रुपए की और बढ़ोतरी हो जाएंगी।

फेरफार समय पर आवश्यक

गोंदिया नगर परिषद अंतर्गत आने वाली संपत्तियों का नगर परिषद रिकॉर्ड में फेरफार करना अनिवार्य है। समय पर नगर परिषद रिकॉर्ड में संपत्तियों का फेरफार नहीं किए जाने पर नगर परिषद अधिनियम १९६५ के अनुसार जुर्माना लगेगा। जिसमें खरीदी बिक्री की संपत्ति का ३ माह के अंदर तथा पारिवारिक वारसान में १ वर्ष के अंदर फेरफार होना अनिवार्य है।

सर्वेक्षण में करें सहयोग

नगर परिषद द्वारा संपत्तियों का सर्वेक्षण शुरु किया गया है। जिसमें टेक्स कर्मचारी उपरोक्त स्थान पर पहुंचकर संपत्तियों का नाप-जोक, कच्चे-पक्के मकान की स्थिति, रजिस्ट्री, नक्शा आदि को देखकर टेक्स निर्धारण कर ऑन द स्पॉट टेक्स लगाएंगे। जिसके लिए सभी नागरिक प्रशासन का सहयोग करें। जिससे उनकी संपत्ति पर नगर परिषद के नियमानुसार टेक्स लागू किया जा सके।

– **विशाल बनकर,** उपमुख्य अधिकारी व अधीक्षक टैक्स विभाग गोंदिया

खरबंदा जलाशय का पानी किसानों की फसल बुवाई के लिए छोड़ा गया

पूर्व विधायक राजेंद्र जैन का सफल प्रयास

गोंदिया – मानसून की बेरुखी के कारण बारिश नहीं होने के चलते किसानों के समक्ष फसल को बचाने का संकट निर्माण हो गया। इस दौरान पूर्व विधायक राजेंद्र जैन का गोंदिया तहसील मे दौरे के दौरान महालगांव परिसर के किसानों द्वारा कृषि की समस्या व फसल बुवाई के लिए लगने वाले पानी की कठिनाई सामने लाई गई। जिस पर तत्काल पूर्व विधायक द्वारा कार्यकारी अभियंता पाटबंधारे विभाग सोनाली सोनूले, सहायक अभियंता संजीव सहारे व शाखा अभियंता डी.एस. लेंडे से संपर्क कर खरबंदा जलाशय से पानी छोड़ने का निर्देश दिया। जिसके पश्चात विभाग द्वारा जलाशय से पानी छोड़ा गया विशेष यह है कि मानसून का आधा समय बीत जाने के बावजूद अब तक समाधान कारक बारिश ना होने के चलते परिसर के किसानों की फसल बुवाई पर संकट निर्माण हो गया। जिसमे झालुटोला, खडबंदा, दावनिवाडा, देऊटोला, बोदा गोंडमोहाळी, महालगाव, मुरदाडा धापेवाडा, लोधीटोला, पिपरटोला, बिजाईतोला, वळद, खातीटोला, सहेसपूर, सेजगाव, सोनेगाव, नहारटोला, अत्रि, परसवाडा, बोरा, डब्बेटोला, अर्जुनी, खैरलांजी, करटी, इंदोरा, बीबीटोला ये सभी गांव लाभक्षेत्र में आने से उपरोक्त गांवो को जलाशय के पानी का लाभ मिलेगा।

इस समय गुड्डू बोपचे, कृष्णकुमार जायस्वाल, प्रदीप रोकडे, नरहरप्रसाद मस्करे, नीरज उपवंशी, कृष्णकुमार ठकरेले, कान्हा बघेले, दिनेश लिल्हारे, परमानंद उपवंशी, भोजराज रहांगडाले, शंकरलाल टेभरें, तेजलाल लिल्हारे, रतनलाल पारधी, थनिराम माहले, मोरेश्वर नागपुरे, श्यामकलाबाई चौधरी व परिसरातील शेतकरी उपस्थित थे।

गांजा तस्कर को रावणवाड़ी पुलिस ने किया गिरफ्तार

गोंदिया - रावणवाड़ी पुलिस थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम कामठा निवासी आरोपी घनश्याम (मोनू) हरिश्चंद्र अग्रवाल के घर पर छापामारी कर १४ मई को ८ लाख ४३ हजार रुपये की कीमत का ७० किलो गांजा बरामद किया गया था। इस मामले मे अंतर्राज्यीय तस्कर को उड़ीसा के जिला अंगुल से रावणवाड़ी पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया।

उल्लेखनीय है कि भारी मात्रा में गांजा प्राप्त होने पर मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे द्वारा प्रभारी अधिकारी को मामले का तत्काल खुलासा करने का निर्देश दिया था। जिस पर गांजा आपूर्ति करने वाले आरोपी की तलाश के लिए एक विशेष पथक पुलिस उपनिरीक्षक कोरे पोना चौहान, भूरे, पोशि बिसेन का तैयार कर उड़ीसा राज्य में भेजा गया उपरोक्त पथक द्वारा गुप्त जानकारी के आधार पर गांजे की आपूर्ति करने वाले आरोपी अरखिल बिंम्बाधर बेहेरा (४०) निवासी कडाली मुंडा पुलिस स्टेशन किशोरे नगर से गिरफ्तार कर मामले की जांच के लिए गोंदिया लाया गया। जिससे पूछताछ किए जाने पर आरोपी द्वारा गांजा तस्करी कर आपूर्ति करने की बात स्वीकार की जिसके पश्चात न्यायालय में पेश किया गया। जहां २० जुलाई तक उसे पुलिस हिरासत में भेजा गया। मामले की जांच पुलिस निरीक्षक उमेश पाटील द्वारा की जा रही है।

उपरोक्त कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विश्व पानसरे, अपर पुलिस अधीक्षक अशोक बनकर, उपविभागीय पोलीस अधिकारी गोंदिया जगदीश पांडे के मार्गदर्शन में पुलिस निरीक्षक उमेश पाटील, सपोनी सरवदे, पोउपनि महेश कोरे, पोना चौहान, भूरे, पोशि बिसेन तथा दीक्षित दमाहे, धनंजय शेंडे साइबर सेल द्वारा की गई।

बिरसी हवाई अड्डे पर रक्तदान शिविर का आयोजन

रक्तदान कर बचाएं दूसरों का जीवन – ताम्रकार

विजेन्द्र मेश्राम, खातिया - रक्तदान कर दूसरों का जीवन बचाएं व समय पर रक्तदान करके हम सभी किसी की भी जान बचा सकते हैं। उक्त आशय के उद्गार बिरसी विमानतल के डायरेक्टर विनयकुमार ताम्रकार ने बिरसी विमानतल पर आयोजित रक्तदान शिविर के अवसर पर कहा।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण द्वारा अभिनव भारत ७५ वी आजादी अमृत महोत्सव के पुण्य स्मरण पर १५ जुलाई को बिरसी हवाई अड्डे पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रमुख अतिथि के रुप में उपविभागीय अधिकारी वंदना सवरंगपते, शासकीय मेडिकल कॉलेज गोंदिया के डीन नरेश तिरपुड़े, बिरसी हवाई अड्डे के डायरेक्टर विनयकुमार ताम्रकार, डॉ. संजय चौहान, डॉ. सुगंधा, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय उद्यान अकाडमी के डायरेक्टर कृष्णेन्दु गुप्ता, नियाटम के इंचार्ज रमा के. रमन, बिरसी हवाई अड्डा समिति के सदस्य डॉ. प्रशांत कटरे, मुख्य सुरक्षा अधिकारी मिलेंद्रकुमार नीरमालकर, एनएफटीआई के मुख्य उड़ान प्रशिक्षक दीपक चंद्रन आदि प्रमुखता से उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. नरेश तिरपुड़े ने दुर्घटना के समय या अन्य किसी समय पर हार्ट अटैक की अवस्था में प्रथम उपचार कैसे करना चाहिए, इसके ऊपर मार्गदर्शन किया। साथ ही इस रक्तदान शिविर के अवसर पर बिरसी हवाई अड्डे के कर्मचारी सह एनएफटीआई, इग्नुआप्र के कुल मिलाकर २८ लोगों ने रक्तदान किया।

स्वामित्व, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल द्वारा बुलंद गोंदिया साप्ताहिक समाचार पत्र भवानी प्रिंटिंग प्रेस, गुरुनानक वार्ड, गोंदिया, ता.जि.गोंदिया से मुद्रित व बुलंद गोंदिया भवन, जगन्नाथ मंदिर के पास गौशाला वार्ड, गोंदिया ४४१६०१, ता.जि.गोंदिया से प्रकाशित। संपादक : संपादक नवीन माणिकचंद अग्रवाल, मो.क्र. ९४०५२४४६६८। (पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) प्रकाशित किये गये समाचार व लेख से संपादक सहमत है ऐसा नहीं है। न्यायालय क्षेत्र गोंदिया।